



MICROFINANCE INSTITUTIONS NETWORK

Media Coverage Report

Satya micro capitals turning impetus to women's empowerment in rural india.

(Press Release)

Region: Rajasthan (Aklimpur)

Media Coverage Index

Si. No.	Date	Publication Name	Edition
Satya micro capitals turning impetus to women's empowerment in rural india.			
1.	14.03.2023	Rajasthan Patrika	Print
2.	14.03.2023	Dainik Bhaskar	Print
3.	14.03.2023	Dainik Adhikar	Print
4.	14.03.2023	Beauro Sandesh	Print
5.	14.03.2023	Dainik Navjyoti	Print
6.	14.03.2023	Hindustan Express	Print
7.	14.03.2023	Police Public Politics	Print
8.	14.03.2023	Rajasthan Chronicle	Print
9.	14.03.2023	Uday Today	Print
10.	14.03.2023	Veer Arjun	Print
11.	14.03.2023	Dainik Bhor	Print
12.	15.03.2023	Samachar Jagat	Print

Publication	Rajasthan Patrika
Edition	Rajasthan
Date	March 14, 2023
Page No.	13

सत्या माइक्रोकैपिटल की पहल

जयपुर@पत्रिका. सत्या
माइक्रोकैपिटल महिला
सशक्तिकरण को लेकर सक्रिय है।
सत्या से लोन प्राप्त करने वाली रेखा
ने कम्पनी द्वारा प्रदान किए गए
सपोर्ट के बारे में कहा कि पिछले
पांच वर्षों से हम जैसे लोगों पर
कम्पनी ने भरोसा दिखाया है और
बाजार में हमारी विश्वसनीयता
बढ़ाने में हमारी मदद की है।

Publication	Dainik Bhaskar
Edition	Rajasthan
Date	March 14, 2023
Page No.	05

**सत्या माइक्रोकेपिटल से
ग्रामीण महिलाओं को लोन**

नई दिल्ली | सत्या माइक्रोकेपिटल ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन के साथ महिला सशक्तिकरण में योगदान दे रही है। कंपनी ने एमएफआईएन की रिपोर्ट के हवाले बताया कि भारत में 6 करोड़ से अधिक महिलाओं को बिना कुछ गिरवी रखे बिना लोन मिल चुका है। इससे दूर-दराज के इलाकों में भी फॉर्मल लोन की सुविधा मिल रही है। कंपनी के एंटरप्रेन्योरशिप डवलपमेंट ऑफिसर ग्रामीण महिलाओं को लोन में मदद कर रहे हैं।

Publication	Dainik Adhikar
Edition	Rajasthan
Date	March 14, 2023
Page No.	02

सत्या माइक्रोकैपिटल ग्रामीण भारत में महिला सशक्तिकरण को प्रदान कर रहा है गति

दैनिक अधिकार/ जयपुर। एमएफआईएन की रिपोर्ट बताती है कि छोटे और बिना कुछ गिरवी रखकर मिलने वाले लोन भारत में 6 करोड़ से अधिक महिलाओं तक पहुंच चुके हैं। इससे करीब 30 करोड़ परिवार प्रभावित हुए हैं। नतीजतन, लोगों की एक बड़ी आबादी जो पहले बैंकिंग सर्विस से वंचित रहित थी, अब भारत के सबसे दूरस्थ जिलों में भी फॉर्मल लोन की सुविधा का लाभ उठा रही है।

रेखा, राजस्थान राज्य के एक छोटे से गांव, अकलीमपुर की निवासी हैं, जो इस बात का उदाहरण है कि कैसे सही सपोर्ट सिस्टम मिल जाने से अपने सपनों पर कभी भी फोकस किया जा सकता है। रेखा के परिवार में उनके पति, दो बेटे और दो बेटियाँ सहित छह सदस्य हैं। हर मां की तरह वह भी अपने बच्चों को बेहतरीन शिक्षा दिलाने का सपना देखती थीं लेकिन उसकी आर्थिक स्थिति उसके लिए बाधक साबित हुई। उनका बड़ा परिवार और आमदनी के सीमित स्रोत उनके सपनों को साकार करने में बड़ी बाधा बने रहे। उनके पति खेत पर ड्राइवर या मजदूर के रूप में दैनिक मजदूरी पर काम करते थे, जिससे मुश्किल से 10,000 - 12,000 रुपये महीने की आय होती थी। रेखा को सिलाई के पेशे में प्रशिक्षित किया गया था और अपने परिवार को सपोर्ट करने और उन्हें एक बेहतर

जीवन शैली प्रदान करने के उद्देश्य से उन्होंने एक सिलाई मशीन खरीदने का फैसला किया। एक दिन, सत्या के एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट ऑफिसर ने उनसे संपर्क किया और कई माइक्रो लोन सर्विस के बारे में बताया। वे आशा से भरे हुए थे और उन्होंने 2017 में अपना पहला 30,000 रुपये का लोन लेने का फैसला किया। रेखा ने मशीन खरीदी और काम के लिए आस-पास के घरों में जाने लगी। सौभाग्य से, वह अपने प्रयासों में सफल रही और अंततः उसे काम मिल गया, जिससे वह प्रतिदिन 300-500 रुपए कमाती थी। इससे रेखा और उनके पति को सावधानीपूर्वक अपने बच्चों के भविष्य की योजना बनाने में मदद मिली। इससे उन्हें परिवार की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में भी मदद मिली। सत्या माइक्रोकैपिटल के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए रेखा ने कहा, मेरे कठिन समय में सत्या माइक्रो कैपिटल द्वारा प्रदान किए गए सपोर्ट के कारण मैं अविश्वसनीय रूप से खुश और धन्य महसूस कर रही हूँ। उन्होंने पिछले पांच वर्षों से हम पर भरोसा दिखाया है और बाजार में हमारी विश्वसनीयता बढ़ाने में हमारी मदद की है। इसने मेरे परिवार के भविष्य का निर्माण करने और उन्हें बेहतर जीवन स्तर प्रदान करने के लिए मुझमें विश्वास विकसित करने में मदद की है।

Publication	Beauro Sandesh
Edition	Rajasthan
Date	March 14, 2023
Page No.	02

सत्या माइक्रोकैपिटल ग्रामीण भारत में महिला सशक्तिकरण को प्रदान कर रहा है गति

जयपुर। एमएफआईएन की रिपोर्ट बताती है कि छोटे और बिना कुछ गिरवी रखकर मिलने वाले लोन भारत में 6 करोड़ से अधिक महिलाओं तक पहुंच चुके हैं। इससे करीब 30 करोड़ परिवार प्रभावित हुए हैं। नतीजतन, लोगों की एक बड़ी आबादी जो पहले बैंकिंग सर्विस से वंचित रहित थी, अब भारत के सबसे दूरस्थ जिलों में भी फॉर्मल लोन की सुविधा का लाभ उठा रही है। रेखा, राजस्थान राज्य के एक छोटे से गांव, अकलीमपुर की निवासी हैं, जो इस बात का उदाहरण है कि कैसे सही सपोर्ट सिस्टम मिल जाने से अपने सपनों पर कभी भी फोकस किया जा सकता है। रेखा के परिवार में उनके पति, दो बेटे और दो बेटियाँ सहित छह सदस्य हैं। हर माँ की तरह वह भी अपने बच्चों को बेहतरीन शिक्षा दिलाने का सपना देखती थीं लेकिन उसकी आर्थिक स्थिति उसके लिए बाधक साबित हुई। उनका बड़ा परिवार और आमदनी के सीमित स्रोत उनके सपनों को साकार करने में बड़ी बाधा बने रहे। उनके पति खेत पर ड्राइवर या मजदूर के रूप में दैनिक मजदूरी पर काम करते थे, जिससे मुश्किल से 10,000 - 12,000 रुपये महीने की आय होती थी। रेखा को सिलाई के पेशे में प्रशिक्षित किया गया था और अपने परिवार को सपोर्ट करने और उन्हें एक बेहतर जीवन शैली प्रदान करने के उद्देश्य से उन्होंने एक सिलाई मशीन खरीदने का फैसला किया। एक दिन, सत्या के एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट ऑफिसर ने उनसे संपर्क किया और कई माइक्रो लोन सर्विस के बारे में बताया। वे आशा से भरे हुए थे और उन्होंने 2017 में अपना पहला 30,000 रुपये का लोन लेने का फैसला किया। रेखा ने मशीन खरीदी और काम के लिए आस-पास के घरों में जाने लगी। सौभाग्य से, वह अपने प्रयासों में सफल रही और अंततः उसे काम मिल गया, जिससे वह प्रतिदिन 300-500 रुपये कमाती थी। इससे रेखा और उनके पति को सावधानीपूर्वक अपने बच्चों के भविष्य की योजना बनाने में मदद मिली। इससे उन्हें परिवार की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में भी मदद मिली। सत्या माइक्रोकैपिटल के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए रेखा ने कहा, मेरे कठिन समय में सत्या माइक्रो कैपिटल द्वारा प्रदान किए गए सपोर्ट के कारण मैं अविश्वसनीय रूप से खुश और धन्य महसूस कर रही हूँ।

Publication	Dainik Navjyoti
Edition	Rajasthan
Date	March 14, 2023
Page No.	11

सत्या माइक्रोकैपिटल महिला सशक्तिकरण को गति देगा

जयपुर। एमएफआईएन की रिपोर्ट बताती है कि छोटे और बिना कुछ गिरवी रखकर मिलने वाले लोन भारत में 6 करोड़ से अधिक महिलाओं तक पहुंच चुके हैं। इससे करीब 30 करोड़ परिवार प्रभावित हुए हैं। नतीजतन ए लोगों की एक बड़ी आबादी जो पहले बैंकिंग सर्विस से वंचित रहित थी, अब भारत के सबसे दूरस्थ जिलों में भी फॉर्मल लोन की सुविधा का लाभ उठा रही है।

Publication	Hindustan Express
Edition	Rajasthan
Date	March 14, 2023
Page No.	05

सत्या माइक्रोकैपिटल ग्रामीण भारत में महिला सशक्तिकरण को प्रदान कर रहा है गति

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

नई दिल्ली। एमएफआईएन की रिपोर्ट बताती है कि छोटे और बिना कुछ गिरवी रखकर मिलने वाले लोन भारत में 6 करोड़ से अधिक महिलाओं तक पहुंच चुके हैं। इससे करीब 30 करोड़ परिवार प्रभावित हुए हैं। नतीजतन, लोगों की एक बड़ी आबादी जो पहले बैंकिंग सर्विस से वंचित रहित थी, अब भारत के सबसे दूरस्थ जिलों में भी फॉर्मल लोन की सुविधा का लाभ उठा रही है। रेखा, राजस्थान राज्य के एक छोटे से गांव, अकलीमपुर की निवासी हैं, जो इस बात का उदाहरण है कि कैसे सही सपोर्ट सिस्टम मिल जाने से अपने सपनों पर कभी भी फोकस किया जा सकता है। रेखा के परिवार में उनके पति, दो बेटे और दो बेटियों सहित छह सदस्य हैं। हर मां की तरह वह भी अपने बच्चों को बेहतरीन शिक्षा दिलाने का

सपना देखती थीं लेकिन उसकी आर्थिक स्थिति उसके लिए बाधक साबित हुई। उनका बड़ा परिवार और आमदनी के सीमित स्रोत उनके सपनों को साकार करने में बड़ी बाधा बने रहे। उनके पति खेत पर ड्राइवर या मजदूर के रूप में दैनिक मजदूरी पर काम करते थे, जिससे मुश्किल से 10,000 - 12,000 रुपये महीने की आय होती थी। रेखा को सिलाई के पेशे में प्रशिक्षित किया गया था और अपने परिवार को सपोर्ट करने और उन्हें एक बेहतर जीवन शैली प्रदान करने के उद्देश्य से उन्होंने एक सिलाई मशीन खरीदने का फैसला किया। एक दिन, सत्या के एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट ऑफिसर ने उनसे संपर्क किया और कई माइक्रो लोन सर्विस के बारे में बताया। वे आशा से भरे हुए थे और उन्होंने 2017 में अपना पहला 30,000 रुपये का लोन लेने का फैसला किया।

Publication	Police Public Politics
Edition	Rajasthan
Date	March 14, 2023
Page No.	02

सत्या माइक्रोकैपिटल ग्रामीण भारत में महिला सशक्तिकरण को प्रदान कर रहा है गति

जयपुर। एमएफआईएन की रिपोर्ट बताती है कि छोटे और बिना कुछ गिरवी रखकर मिलने वाले लोन भारत में 6 करोड़ से अधिक महिलाओं तक पहुंच चुके हैं। इससे करीब 30 करोड़ परिवार प्रभावित हुए हैं। नतीजतन, लोगों की एक बड़ी आबादी जो पहले बैंकिंग सर्विस से वंचित रहित थी, अब भारत के सबसे दूरस्थ जिलों में भी फॉर्मल लोन की सुविधा का लाभ उठा रही है। रेखा, राजस्थान राज्य के एक छोटे से गांव, अकलीमपुर की निवासी हैं, जो इस बात का उदाहरण है कि कैसे सही सपोर्ट सिस्टम मिल जाने से अपने सपनों पर कभी भी फोकस किया जा सकता है। रेखा के परिवार में उनके पति, दो बेटे और दो बेटियों सहित छह सदस्य हैं। हर मां की तरह वह भी अपने बच्चों को बेहतरीन शिक्षा दिलाने का सपना देखती थीं लेकिन उसकी आर्थिक स्थिति उसके लिए बाधक साबित हुई। उनका बड़ा परिवार और आमदनी के सीमित स्रोत उनके सपनों को साकार करने में बड़ी बाधा बने रहे। उनके पति खेत पर ड्राइवर या मजदूर के रूप में दैनिक मजदूरी पर काम करते थे, जिससे मुश्किल से 10,000 - 12,000 रुपये महीने की आय होती थी। रेखा को सिलाई के पेशे में प्रशिक्षित किया गया था और अपने परिवार को सपोर्ट करने और उन्हें एक बेहतर जीवन शैली प्रदान करने के उद्देश्य से उन्होंने एक सिलाई मशीन खरीदने का फैसला किया।

Publication	Rajasthan Chronicle
Edition	Rajasthan
Date	March 14, 2023
Page No.	03

SATYA MicroCAPITALIS TURNING IMPETUS TO WOMEN'S EMPOWERMENT IN RURAL INDIA.

Jaipur: MFIN's report shows that small, collateral-free loans are reaching more than 60 million women in India. This has impacted as many as 300 million families. As a result, a vast population of people who were previously unserved and unbanked now have access to formal credit, even in the most remote districts of India. Rekha, a resident of Aklimpur, a small village in the state of Rajasthan is another example of how it is never too late to focus on your dreams when you have the right support system. She has a family of six members including her husband, two sons and two daughters. Like every mother, she also dreamt of providing her kids with best education but her financial condition proved to be a hindrance. Her big family and limited source of income stood as a major obstacle in the accomplishment of her dreams. Her husband worked on daily wages as a construction worker or driver on the farm which barely led to an income of Rs 10,000 - 12,000 a month. Rekha was trained in the profession of sewing and with an aim of supporting her family and providing them an improved lifestyle, she decided to buy a sewing machine. One day, SATYA's Entrepreneurship Development Officer contacted them and explained several micro loan services.

Publication	Uday Today
Edition	Rajasthan
Date	March 14, 2023
Page No.	04

सत्या माइक्रोकैपिटल ग्रामीण भारत में महिला सशक्तिकरण को प्रदान कर रहा है गति

जयपुर, (उदय टुडे)। एमएफआईएन की रिपोर्ट बताती है कि छोटे और बिना कुछ गिरवी रखकर मिलने वाले लोन भारत में 6 करोड़ से अधिक महिलाओं तक पहुंच चुके हैं। इससे करीब 30 करोड़ परिवार प्रभावित हुए हैं। नतीजतन, लोगों की एक बड़ी आबादी जो पहले बैंकिंग सर्विस से वंचित रहित थी, अब भारत के सबसे दूरस्थ जिलों में भी फॉर्मल लोन की सुविधा का लाभ उठा रही है। रेखा, राजस्थान राज्य के एक छोटे से गांव, अकलीमपुर की निवासी हैं, जो इस बात का उदाहरण है कि कैसे सही सपोर्ट सिस्टम मिल जाने से अपने सपनों पर कभी भी फोकस किया जा सकता है। रेखा के परिवार में उनके पति, दो बेटे और दो बेटियों सहित छह सदस्य हैं। हर मां की तरह वह भी अपने बच्चों को बेहतरीन शिक्षा दिलाने का सपना देखती थीं लेकिन उसकी आर्थिक स्थिति उसके लिए बाधक साबित हुई। उनका बड़ा परिवार और आमदनी के सीमित स्रोत उनके सपनों को साकार करने में बड़ी बाधा बने रहे। उनके पति खेत पर ड्राइवर या मजदूर के रूप में दैनिक मजदूरी पर काम करते थे, जिससे मुश्किल से 10,000 - 12,000 रुपये महीने की आय होती थी। रेखा को सिलाई के पेशे में प्रशिक्षित किया गया था और अपने परिवार को सपोर्ट करने और उन्हें एक बेहतर जीवन शैली प्रदान करने के उद्देश्य से उन्होंने एक सिलाई मशीन खरीदने का फैसला किया। एक दिन, सत्या के एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट ऑफिसर ने उनसे संपर्क किया और कई माइक्रो लोन सर्विस के बारे में बताया। वे आशा से भरे हुए थे और उन्होंने 2017 में अपना पहला 30,000 रुपये का लोन लेने का फैसला किया। रेखा ने मशीन खरीदी और काम के लिए आस-पास के घरों में जाने लगी। सौभाग्य से, वह अपने प्रयासों में सफल रही और अंततः उसे काम मिल गया, जिससे वह प्रतिदिन 300-500 रुपए कमाती थी।

Publication	Veer Arjun
Edition	Rajasthan
Date	March 14, 2023
Page No.	08

सत्या माइक्रोकैपिटल ग्रामीण भारत में महिला सशक्तिकरण को प्रदान कर रहा है गति

वीर अर्जुन संवाददाता

जयपुर। एमएफआईएन की रिपोर्ट बताती है कि छोटे और बिना कुछ गिरवी रखकर मिलने वाले लोन भारत में 6 करोड़ से अधिक महिलाओं तक पहुंच चुके हैं। इससे करीब 30 करोड़ परिवार प्रभावित हुए हैं।

नतीजतन, लोगों की एक बड़ी आबादी जो पहले बैंकिंग सर्विस से वंचित रहित थीए अब भारत के सबसे दूरस्थ जिलों में भी फॉर्मल लोन की सुविधा का लाभ उठा रही है। रेखा, राजस्थान राज्य के एक छोटे से गांव, अकलीमपुर की निवासी हैं, जो इस बात का उदाहरण है कि कैसे सही सपोर्ट सिस्टम मिल जाने से अपने सपनों पर कभी भी फोकस किया जा सकता है। रेखा के परिवार में उनके पति, दो बेटे और

दो बेटियों सहित छह सदस्य हैं। हर मां की तरह वह भी अपने बच्चों को बेहतरीन शिक्षा दिलाने का सपना देखती थीं लेकिन उसकी आर्थिक स्थिति उसके लिए बाधक साबित हुई।

उनका बड़ा परिवार और आमदनी के सीमित स्रोत उनके सपनों को साकार करने में बड़ी बाधा बने रहे। उनके पति खेत पर ड्राइवर या मजदूर के रूप में दैनिक मजदूरी पर काम करते थेए जिससे मुश्किल से 10,000-12,000 रुपये महीने की आय होती थी।

रेखा को सिलाई के पेशे में प्रशिक्षित किया गया था और अपने परिवार को सपोर्ट करने और उन्हें एक बेहतर जीवन शैली प्रदान करने के उद्देश्य से उन्होंने एक सिलाई मशीन खरीदने का फैसला किया।

Publication	Dainik Bhor
Edition	Rajasthan
Date	March 14, 2023
Page No.	02

सत्या माइक्रो कैपिटल ग्रामीण भारत में महिला सशक्तिकरण को प्रदान कर रहा है गति

जयपुर, 13 मार्च (एजेन्सी)। एमएफआईएन की रिपोर्ट बताती है कि छोटे और बिना कुछ गिरवी रखकर मिलने वाले लोन भारत में 6 करोड़ से अधिक महिलाओं तक पहुंच चुके हैं। इससे करीब 30 करोड़ परिवार प्रभावित हुए हैं। नतीजतन, लोगों की एक बड़ी आबादी जो पहले बैंकिंग सर्विस से वंचित रहित थी, अब भारत के सबसे दूरस्थ जिलों में भी फॉर्मल लोन की सुविधा का लाभ उठा रही है। रेखा, राजस्थान राज्य के एक छोटे से गांव, अकलीमपुर की निवासी हैं, जो इस बात का उदाहरण है कि कैसे सही सपोर्ट सिस्टम मिल जाने से अपने सपनों पर कभी भी फोकस किया जा सकता है। रेखा के परिवार में उनके पति, दो बेटे और दो बेटियों सहित छह सदस्य हैं। हर मां की तरह वह भी अपने बच्चों को बेहतरीन शिक्षा दिलाने का सपना देखती थीं लेकिन उसकी आर्थिक स्थिति उसके लिए बाधक साबित हुई। उनका बड़ा परिवार और आमदनी के सीमित स्रोत उनके सपनों को साकार करने में बड़ी बाधा बने रहे। उनके पति खेत पर ड्राइवर या मजदूर के रूप में दैनिक मजदूरी पर काम करते थे, जिससे मुश्किल से 10,000 - 12,000 रुपये महीने की आय होती थी। रेखा को सिलाई के पेशे में प्रशिक्षित किया गया था और अपने परिवार को सपोर्ट करने और उन्हें एक बेहतर जीवन शैली प्रदान करने के उद्देश्य से उन्होंने एक सिलाई मशीन खरीदने का फैसला किया।

Publication	Samachar Jagat
Edition	Rajasthan
Date	March 15, 2023
Page No.	09

महिला सशक्तिकरण को गति दे रहा है सत्या माइक्रो केपीटल

नई दिल्ली, एजेंसी. एमएफआईएन की रिपोर्ट बताती है कि छोटे और बिना कुछ गिरवी रखकर मिलने वाले लोन भारत में 6 करोड़ से अधिक महिलाओं तक पहुंच चुके हैं। इससे करीब 30 करोड़ परिवार प्रभावित हुए हैं। नतीजतन, लोगों की एक बड़ी आबादी जो पहले बैंकिंग सर्विस से वंचित रहित थी, अब भारत के सबसे दूरस्थ जिलों में भी फॉर्मल लोन की सुविधा का लाभ उठा रही है।

रेखा, राजस्थान राज्य के एक छोटे से गांव, अकलीमपुर की निवासी हैं, जो इस बात का उदाहरण है कि कैसे सही सपोर्ट सिस्टम मिल जाने से अपने सपनों पर कभी भी फोकस किया जा सकता है। रेखा के परिवार में उनके

पति, दो बेटे और दो बेटियों सहित छह सदस्य हैं। हर मां की तरह वह भी अपने बच्चों को बेहतरीन शिक्षा दिलाने का सपना देखती थीं लेकिन उसकी आर्थिक स्थिति उसके लिए बाधक साबित हुई। उनका बड़ा परिवार और आमदनी के सीमित स्रोत उनके सपनों को साकार करने में बड़ी बाधा बने रहे। उनके पति खेत पर ड्राइवर या मजदूर के रूप में दैनिक मजदूरी पर काम करते थे, जिससे मुश्किल से 10,000 - 12,000 रुपये महीने की आय होती थी। रेखा को सिलाई के पेशे में प्रशिक्षित किया गया था और अपने परिवार को सपोर्ट करने और उन्हें एक बेहतर जीवन शैली प्रदान करने के उद्देश्य से उन्होंने एक सिलाई मशीन खरीदने का फैसला किया।